

ओडिशा : कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त

50 यात्रियों की मौत, 350 से ज्यादा जख्मी

एंजेसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के बालायोर जिले में बहनगा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम एक बड़ी दुर्घटना में शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के कई डिब्बे परी से उत्तर गए और कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार बहनगा स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन के कम से कम चार डिब्बे परी से उत्तर गए। दुर्घटना के कारणों के बारे में काफ़ी स्पष्टता नहीं है। हालांकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि हास्पा तह द्वारा जब स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई है तो लेकिन रेलवे अधिकारियों ने इससे इनकार किया है कि रेलवे के एक प्रवक्ता के अनुसार शालीमार-हावड़ा कोरोमंडल एक्सप्रेस के लगभग 12 से 15 डिब्बे बहनगा स्टेशन पर शाम करीब 6.51 बजे परी से उत्तर गए। जबकि कुछ डिब्बे दूसरे ट्रैक पर्हुच गए। ►शेष पृष्ठ 11 पर



NEWS इन ब्रीफ

राष्ट्रपति 4 से 7 जून के बीच सूरीनाम और सर्विया का दौरा करेंगी



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्वारा पूर्वी मुर्मु 4 जून से 6 जून तक सूरीनाम का दौरा करेंगे, और पिछे 7 जून को सर्विया जाएंगी। विशेष मंत्रालय में पूर्व सचिव सौरभ कुमार ने कहा, राष्ट्रपति मुर्मु सूरीनाम के राष्ट्रपति चाँदिका प्रसाद संतोषीयों के निमंत्रण पर सूरीनाम का दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान, वह राष्ट्रपति संतोषीयों के साथ विशेष बातचीत करेंगी और कई गतिविधियों में भी भाग लेंगी। सचिव (केस्ट) संजय वर्मा ने पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति द्वारा पूर्वी मुर्मु 7 जून को गोपीनाथ के राष्ट्रपति अंतर्जाल वृक्षक के निमंत्रण पर संविधान को बात पर आएंगी। उन्होंने कहा कि जुलाई 2022 में कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली इस दैश की यात्रा होगी।

लातेहार में यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत लातेहार। बालुमाथ प्रखण्ड मुख्यालय में चतरा-रांची मुख्य मार्ग पर ओवर ब्रिज के निकट शुक्रवार को यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई। एजेंटिक कई यात्री घायल हो गए। मृतकों में रांची सोस निवासी बस का कर्मचारी भी। इनायतुल्लाह (33) तथा बालुमाथ निवासी यात्री प्रियमा देवी (30) शामिल है। एक अन्य यात्री रविंद्र कुमार को भी गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है।

झारखंड की अशिका ने तीरंदाजी में जीता स्वर्ण पदक



रांची। झारखंड की अशिका कुमारी ने अंल ईंडिया यूनिवर्सिटी खेलों इंडिया गेम्स के तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। 25 मई से तीन जून तक लखनऊ में अयोजित प्रतियोगिता में शुक्रवार को रिकर्व महिला वर्ग के फाइनल में गुजरात की अशिका को नोटिस दिया है। उन्हें 15 जून तक आयोग के समक्ष पक्ष खेलने को कागज गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जरिस्ट विनोद कुमार गुरु के निर्देश पर आईएस अधिकारी राजीव अरुण एक्सप्रेस की भी नोटिस भेजकर पूर्व मार्गों में पक्ष की मार्ग की गई है।

राज्यपाल ने कहा है कि भारत विधिता से भरा एक

अध्यादेश के खिलाफ मुहिम में केजरीवाल ने की सीएम से मुलाकात

केंद्र सरकार संघीय ढांचे पर कर रही है प्रहार : हेमंत सोरेन

कांग्रेस तय करे कि वह देश के साथ है या मोदी जी के : केजरीवाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची दिल्ली सरकार को लेकर केंद्र की ओर से लाए गए अध्यादेश के खिलाफ अर्थवित के जेजरीवाल की मुहिम को सीएम हेमंत सोरेन ने समर्थन देने का ऐलान किया है। केजरीवाल और सोरेन ने रांची में शुक्रवार को एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि केंद्र की निमंत्रित चाँदिका प्रसाद संतोषीयों के निमंत्रण पर सूरीनाम का दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान, वह राष्ट्रपति संतोषीयों के साथ विशेष बातचीत करेंगी और कई गतिविधियों में भी भाग लेंगी। सचिव (केस्ट) संजय वर्मा ने पत्रकारों से कहा कि वह राष्ट्रपति द्वारा पूर्वी मुर्मु 7 जून को गोपीनाथ के राष्ट्रपति अंतर्जाल वृक्षक के निमंत्रण पर संविधान को बात पर आएंगी। उन्होंने कहा कि जुलाई 2022 में कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली इस दैश की यात्रा होगी।



वायरल वीडियो में विशाल चौधरी के घर पर सरकारी काम करते दिखे थे राजीव अरुण

अप्रैल महीने में राजीव अरुण एक्सप्रेस का 22 सेंकेंड का वीडियो वायरल हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नोटिस दिया है। उन्हें 15 जून तक आयोग के समक्ष पक्ष खेलने को कागज गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जरिस्ट विनोद कुमार गुरु के निर्देश पर आईएस अधिकारी राजीव अरुण एक्सप्रेस की भी नोटिस भेजकर पूर्व मार्गों में पक्ष की मार्ग की गई है।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजीव अरुण एक्का मामले में न्यायिक आयोग का बाबूलाल मरांडी को नोटिस



वायरल वीडियो में विशाल चौधरी के घर पर सरकारी काम करते दिखे थे राजीव अरुण

अप्रैल महीने में राजीव अरुण एक्सप्रेस का 22 सेंकेंड का वीडियो वायरल हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नोटिस दिया था। इस दौरान उन्होंने यह कहा था कि राजीव अरुण एक्सप्रेस कापार ब्रोकर विशाल चौधरी के घर पर सरकारी फाइल निपटा रहे थे। वीडियो में विशाल चौधरी का आवाज भी आ रहा था। वहीं एक महिला आईएस अधिकारी के दर्वाजे तक फ़ख़ थी। वीडियो वायरल होने के बाद उसी रात राजीव अरुण एक्सप्रेस के प्रधान सचिव वर्ग में घुसा राजीव अरुण एक्सप्रेस के प्रधान सचिव के पद से हटा दिया गया था।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजीव अरुण एक्सप्रेस के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्सप्रेस के जुड़े मामले में गठित न्यायिक आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नोटिस दिया है। उन्हें 15 जून तक आयोग के समक्ष पक्ष खेलने को कागज गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जरिस्ट विनोद कुमार गुरु के निर्देश पर आईएस अधिकारी राजीव अरुण एक्सप्रेस की भी नोटिस भेजकर पूर्व मार्गों में पक्ष की मार्ग की गई है।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजीव अरुण एक्सप्रेस के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्सप्रेस के जुड़े मामले में गठित न्यायिक आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नोटिस दिया है। उन्हें 15 जून तक आयोग के समक्ष पक्ष खेलने को कागज गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जरिस्ट विनोद कुमार गुरु के निर्देश पर आईएस अधिकारी राजीव अरुण एक्सप्रेस की भी नोटिस भेजकर पूर्व मार्गों में पक्ष की मार्ग की गई है।

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजीव अरुण एक्सप्रेस के पूर्व प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्सप्रेस के जुड़े मामले में गठित न्यायिक आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को नोटिस दिया है। उन्हें 15 जून तक आयोग के समक्ष पक्ष खेलने को कागज गया है। आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जरिस्ट विनोद कुमार गुरु के निर्देश पर आईएस अधिकारी राजीव अरुण एक्सप्रेस की भी नोटिस भेजकर पूर्व मार्गों में पक्ष की मार्ग की गई है।

राज्यपाल ने कहा है कि भारत विधिता से भरा एक

मृतकों के परिजनों को 10 लाख, घायलों को 2-2 लाख का मुआवजा



सरकार माइग्रेशन स्पोर्ट सेंटर की स्थापना में एजेंसियों की लेगी मदद

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखंड सरकार दूसरे राज्यों में रहकर रोजी-रोटी कमाने वाले श्रमिकों की मदद को माइग्रेशन स्पोर्ट सेंटर वायरल घटना और संचालन में योग्य एजेंसियों की मदद लेगी। इसके लिए झारखंड को जौश विकास मिशन सोसाइटी (ब्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, झारखंड) को पहल की है।

इस क्रम में मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत देश के अलग-अलग राज्यों में ऐसे सेंटर तैयार किए जाएंगे। एजेंसीएमएस के मिशन द्वारा एक संवाददाता। रांची करने की तैयारी है।



और दिल्ली एनसीआर (नोएडा, फॉलोबाद) में माइग्रेशन स्पोर्ट सेंटर तैयार किये जाने की योजना बनी है। एनआईटी (निवास आमंत्रण सूचना) जारी करते हुए गया है कि वेबसाइट की मदद से माइग्रेशन सेंटर की स्थापना और संचालन के अलांकृत टेंडर प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी ली जा सकती है।

‘अति गरीबी’ अतीत की बात?

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया है कि भारत में 'अति गरीबी' खत्म होने के बहुत निकट है। 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' के नारे पर चुनाव जीत लिया था। देश में गरीबी 2023 में भी है। क्या प्रधानमंत्री के कथन पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी के बयान का घोर विरोधाभास यह है कि आज भी करीब 22 करोड़ भारतीय 'गरीबी-रेखा' के तले बताये जाते हैं। भारत सरकार कोई अधिकृत आंकड़ा देने की बजाय छिपाती रही है। वैसे 2022-23 के दौरान गरीबी की जनगणना जारी है। कुछ आंकड़े सार्वजनिक भी हो सकते हैं, लेकिन यह जनगणना 2024 तक चलेगी। तब तक आम चुनाव हो चुके होंगे और नई सरकार बनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी होगी। भारत में गरीबी के बे आंकड़े सामने हैं, जो आवधिक श्रम बल सर्वे के जरिये सार्वजनिक हुए हैं या संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम अथवा सीएमआई सरीखे पेशेवर संगठनों की रपटों ने उद्घाटित किए हैं। गरीबी-रेखा के तले जीने वालों की संख्या अधिक होनी चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी के बाद ही 5.60 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे चले गए हैं।



प्रधानमंत्री के कथन से इतर आज भी करीब 22 करोड़ भारतीय गरीबी रेखा के तले बताए जाते हैं। 50 फीसदी महिलाओं में खुन

हालांकि दावा किया जाता रहा है कि बीते 20 सालों में करीब 40 करोड़ लोगों को गरीबी-खेड़ा के बाहर लाया गया है। यानी इतने देशवासियों की औसत आमदनी में बढ़ोत्तरी कराई गई की कमी है। 6-23 माह की उम्र के सिर्फ 11 फीसदी बच्चों को ही पूरा भोजन नसीब है।

जास्ता जानेदा न बढ़ाता पर्याप्त है, लेकिन सर्वे और रपटों के सच ये हैं कि भारत में 50 फीसदी आबादी की औसतन मासिक आय 5000 रुपये से कम है। यानी 170 रुपये रोजाना भी नहीं है। करीब 50 फीसदी लोगों की औसतन सालाना आय 53,610 रुपये है। देश में करीब 43 करोड़ श्रमिक हैं। उनमें आधे से कम को ही नियमित रोजगार नसीब है। देश की आबादी 142 करोड़ से ज्यादा हो गई है और विश्व में सर्वाधिक है, लेकिन करीब 41.01 करोड़ लोग ही 'नौकरीपेशा' हैं। वह संख्या घट रही है और बेरोजगारी की दर बढ़ कर 8 फीसदी को पार कर चुकी है। आंकड़ों में पूर्वग्रह भी संभव है, लेकिन प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिकेक देवराय का मानना है कि 18 फीसदी आबादी अब भी गरीब है। यदि इन सक्षिप्त विवरणों का विशेषण किया जाए, तो 'अति गरीबी' के समापन की संभावनाओं पर बड़े-बड़े सवाल दिखाई देंगे। प्रधानमंत्री एक मोटा-सा खाका देश के सामने पेश कर सकते थे कि 'अति गरीबी' चरणबद्ध तरीके से कैसे खत्म हो सकती है। अभी तो व्यापक फासले और गहरी खाड़ियां हैं। भारत में मात्र एक फीसदी अमीर ऐसे भी हैं, जिनके पास देश की कमाई का 22 फीसदी से ज्यादा हिस्सा है। इस जमात की औसत आय 63.5 लाख रुपये है। देश में खरबपतियों की संख्या 160 से ज्यादा हो गई है, लेकिन इसी देश में 50 फीसदी महिलाओं में 'खन की कमी' है। औसतन 6-23 माह की उम्र के सिर्फ 11 फीसदी बच्चों को ही पूरा भोजन नसीब है। शेष कुपोषित और बीमार हैं। बालिंग उम्र की 35 फीसदी आबादी को ही नियमित काम उपलब्ध है। शेष दिहाड़ीदार, मजदूर और अनियमित कामगार हैं। इसमें मनरेगा की जमात भी शामिल है, जिसे मजदूरी भी समयानुसार और नियमित नहीं मिलती। इन विरोधाभासों को क्या कहेंगे? बेशक यह खबर सुखद है कि 2022-23 में हमारी आर्थिक विकास दर 7.2 फीसदी रही है। विश्व में यह सबसे अधिक और तेज विकास दर है, लेकिन सवाल है कि इस विकास और अर्थव्यवस्था के विस्तार का फायदा देश के आम आदमी तक क्यों नहीं पहुंचता, ताकि उसकी गरीबी कम हो सके? बहरहाल प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया है, तो देश इंतजार करेगा।

धनाद्य प्रवासी भारतीय व राहुल गांधी की ओछी सियासत

पिछले तीन दशकों में भारतीय राजनीति में दो महत्वपूर्ण बदलाव महसूस किये जा रहे हैं। इन्हें नई अर्थीकृत नीतियों का राजनीतिक साइड ईफेक्ट्स कहा जा सकता है। पहला, नेताओं व उनके भरोसेमंद कार्यकर्ताओं के बीच विश्वास दिन ब दिन घटता जा रहा है और ग्लोबल-नेशनल पीआर एजेंसी इस जगह को तेजी से भरती जा रही हैं। दूसरा, राजनेताओं और नौकरशाहों की अंदरुनी सांठगांठ और्योगिक धरानों व कारोबारियों से बढ़ती जा रही है और उनके मनमाफिक कानून बदले जा रहे हैं। देखा जाय तो इन दोनों घटनाओं की वजह से समाजवादी लोकतंत्र, कब पूँजीवादी लोकतंत्र में तब्दील हो गया, पता ही नहीं चला! आहिस्ता-आहिस्ता यह प्रक्रिया और तेज ही होती जा रही है, जिससे पढ़ें-लिखें और पैसे वाले लोगों के बजाय आम आदमी के हित ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, नकारात्मक अर्थों में। जिस हिसाब से व्यक्ति विशेष के खर्चे बढ़े हैं, उत्तरदायित्व बढ़ रहे हैं, आमदनी बिल्कुल नहीं। बदलते राजनीतिक माहौल में देश व समाज में पैसे को सर्वोच्च तरजीह दी जा रही है तथा जो लोग पैसे से पैसा और पावर से पैसा बनाने की कला में निपुण हैं, उनकी हर जगह पर पूछ बढ़ती जा रही है। ऐसे प्रतिस्पृश्यात्मक माहौल में धनाद्य प्रवासी भारतीयों की पूछ हर दल में बढ़ी है, लेकिन उन्हें अपनाने के चक्कर में ओछी राजनीति भारतीय राजनेताओं के द्वारा की जा रही है। सच कहूँ तो विदेश की धरती से बयानबाजी सम्बन्धी जो गलतियां की जा रही हैं, उससे केंद्रीय मंत्रीगण भी बिफर पढ़े हैं। इससे भारत और भारतीयों का भी चिंतित होना स्वाभाविक है कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अमेरिका से दिये गये 'लक्षित बयानों' से एक मजबूत राष्ट्र के रूप में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पूरी बढ़ा लगा है। यह सार्वजनिक चिंता का विषय है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि जैसे बहुमत वे चक्कर में हमारे राजनेताओं ने देश के भीतर जाति, धर्म, भाषा व क्षेत्रों के अदि के आधार पर विभेद परोसक अपने-अपने मजबूत समर्थक व तैयार कर लिए हैं, उसी प्रकार से विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों के पटाना चाहते हैं, ताकि बैक चैनल से या डायरेक्ट उनकी वित्तीय मदद मिलती रहे। राहुल गांधी धर्मानिरपेक्षताग और तुष्टीकरण के आड़ में प्रवासी भारतीयों के एक बड़े वर्ग को अपने साथ साधना चाह रहे हैं, ताकि उनके मिशन 2024 के बल मिले। यहां पर यह याद दिलाना जरूरी है कि विदेशों में कभी तिरंगा का अपमान करने, कभी भारतीय दूतावास पर विरोध प्रदर्शन करने कभी हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान करने, कभी फिल्मों व खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करने य उनके पक्ष में रैलियां निकालने वे जो प्रायोजित कार्यक्रम होते हैं उसके पीछे स्थानीय संगठनों और चर्चित पीआर एजेंसियों की भूमिका जगजहिर है। ऐसे ही लोग विभिन्न संगठनों के बैनर तले भारतीय नेताओं के कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं और अपने सही-गलत दोनों इगारे की पूर्ति करते हैं। इसलिए आशंका है कि वहां उठने वाले मुख्य भी ग्लोबल पीआर एजेंसी ही सुझाते होंगी। कोहू में खाज यह विअमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन जैसे देशों में ऐसा हो रहा है। कांग्रेस नेता

राहुल गांधी के घृणा सम्बन्धी बयान की सोशल मीडिया से लेकर विदेशी धरती तक आलोचना हो रही है 'कानूनी नफरत' के बाजार में 'तुष्टीकरण वाले प्रेम' की एक और दुकान खोलने के बाद 'तथाकथित बढ़ती घृणा' को बेचकर सियार्स सहानुभूति खरीदने की ललक लिया कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में 'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस यूएसए' के 'मोहब्बत की दुकान' कार्यक्रम में भाजपा पर जमकर हमले किये।

सर्वता व सुलभ साधन है साइकिल



A portrait photograph of Dr. Suresh Saraf, a middle-aged man with dark hair and a mustache, wearing a light blue button-down shirt. He is looking directly at the camera with a neutral expression.

रमश सराफ धमार

रमेश सराफ धमोरा

संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितशी वाहन को नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि

आईये सुने माता बगलामुखी
की कथा
काली तारा महाविद्या घोडसी
भुवनेश्वरी।
बागला छिन्मस्ता च विद्या
धूमावती तथा॥।
मातंगी त्रिपुरा चैव विद्या च
कमलात्मिका।
एता दश महाविद्या सिद्धिदा
प्रकीर्तिं॥।

मां बगलामुखी जयंति के दिन उनकी पूजन करने वाले साधकों संसार के हर कष्ट से मुक्ति मिलती है। उनकी पौराणिक कथा का श्रवण करने से हजारों पापों का नाश होता है। मां देवी बगलामुखीजी के संदर्भ में एक पौराणिक कथा के अनुसार एक बार सतयुग में महाविनाश उत्पन्न करने वाला ब्रह्मांडीय तूफान उत्पन्न हुआ जिससे संपूर्ण विश्व नष्ट होने लगा। इससे चारों ओर हाहाकार मच जाता है और अनेक लोग संकट में पड़ जाते हैं और संसार की रक्षा करना असंभव हो जाता है। यह तूफान सब कुछ नष्ट-भ्रष्ट करता हुआ आगे बढ़ता जा रहा। था जिसे देखकर भगवान् विष्णुजी चिरित हो गये। इस समस्या का कोई हल न पाकर वे भगवान् शिव का स्मरण करने लगे। तब भगवान् शिव उनसे कहते हैं कि शक्ति के अतिरिक्त अन्य कोई इस विनाश को रोक नहीं सकता अतः आप उनकी शरण में ही रायें।

फोटो की दुनिया



अगर आप ऐसा सोचते हैं
कि मुझमे कोई कमी नहीं है
तो आप मे बहुत बड़ी कमी हैं
क्योंकि ऐसा कोई नहीं जिसमें



भारत के स्वराज्य का उद्घोष है श्रीशिवराज्यभिषेक

छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक एवं हिन्दू समाज की स्थापना का 350वां वर्ष पहली जून से शुरू हो गया है। यह दिन बहुत पावन है। इसी के साथ 'हिन्दवी स्वराज्य' की स्थापना का 350वां वर्ष प्रारंभ हो गया। विक्रम संवत् 1731 में इसी तिथि, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नई दिशा मिली। कहते हैं कि यदि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म न होता और उन्होंने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तब भारत अंधकार की दिशा में बहुत अगे चला जाता। महान विजयनगर साम्राज्य के पतन के बाद भारतीय समाज का आत्मविश्वास निचले तल पर चला गया। अपने ही देश में फिर कभी हमारा अपना शासन होगा, जो भारतीय मूल्यों से संचालित हो, लोगों ने वह कल्पना करना ही छोड़ दिया। तब शिवाजी महाराज ने कुछ वीर पराक्रमी मित्रों के साथ 'स्वराज्य' की स्थापना का संकल्प लिया और अपने कृतित्व एवं विचारों से जनमानस के भीतर भी आत्मविश्वास जगाया। गोविन्द सखाराम सरदेसी अपने पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ द मराठाज-शिवाजी एंड हिज टाइम्स' के वॉल्यूम-1 के पृष्ठ 97-98 पर लिखते हैं-'मुस्लिम शासन में घोर अन्धकार व्याप्त था। निजाम शाह ने जिजाऊ मां साहेब के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की खुलेआम हत्या कर दी। बजाजी निंबालकर को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। अनगिनत उदाहरण उद्भूत किये जा सकते हैं। हिन्दू समानित जीवन नहीं जी सकते थे'। ऐसे दौर में मुगलों के अत्याचारी शासन के विरुद्ध शिवाजी महाराज ने ऐसे साम्राज्य की स्थापना की जो भारत के 'स्व' पर आधारित था। उनके शासन में प्रजा सुखी और समृद्ध हुई। धर्म-संस्कृति फिर से पुलकित हो उठी। हिन्दवी स्वराज्य 350 वर्षों के बाद भी प्रार्थनिक है क्योंकि वह जिन आदर्शों पर खड़ा था, वे सार्वभौमिक और कालजयी हैं। हिन्दवी स्वराज्य की चर्चा इसलिए भी प्रार्थनिक है क्योंकि संयोग से केंद्र में आज ऐसी शासन व्यवस्था है, जो भारत को उसके 'स्व' से परिवर्तित कराने के लिए कृत-संकल्पित है। प्रसिद्ध इतिहासकार जदुनाथ सरदार के अनुसार-'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे कि हम उन्हें आज भी लगभग बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने अपनी प्रजा को शांति, सार्वभौमिक सहिष्णुता, सभी जातियों और पथों के लिए समान अवसर, प्रशासन की एक लाभकारी, सक्रिय और शुद्ध प्रणाली, व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक नौसेना और मातृभूमि की रक्षा के लिए एक प्रशिक्षित सेना देने का लक्ष्य रखा'। यदि हम वर्तमान मोदी सरकार की शासन व्यवस्था के सिद्धांतों को देखें, तो उसके केंद्र में भी लगभग यही विचार है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बार-बार यह उल्लेखित करते हैं कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र को लेकर चल रही है। शिवाजी महाराज ने राज्य को 'स्व' का आधार देते हुए भारत केंद्रित नीतियों को बढ़ावा दिया, जैसे- फारसी और



बोकेह मिं

विक्रम संवत् 1731 में
इसी तिथि, ज्येष्ठ शुक्ल
पक्ष ब्रयोदशी को स्वराज्य
के प्रणेता श्रीशिव छत्रपति
के राज्याभिषेक व हिन्दू
पद पादशाही की स्थापना
से भारतीय इतिहास को
नई दिशा मिली।

नई परवानगाएँ

देश-दुनिया

दूध संग्रहण केन्द्र से गाय पालन के प्रति बढ़ी रुचि, आएगी आर्थिक समृद्धि

गांव-गांव में दुध संग्रहण केन्द्र खुलने से गाय पालन की ओर बढ़ रही है। पहले किसान दूध का उचित मूल्य नहीं ले पाते थे। वे किसी निजी व्यक्ति के अलावा हाटों, रेस्टोरेंट में कम कीमत पर बेचते थे परंतु अब दूध संग्रहण की सुविधा मिलने पर 47 रुपये प्रति लीटर तक का कमाई कर रहे हैं। वही कारण है कि गाय पालन कर आविनिर्भर की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार के बढ़ते कदम के साथ जिला प्रशासन अनुदान राशि पर गाय पालन के लिए गाय उत्तमव्यं करा रहा है, ताकि गांव से लोगों का पलायन रुके और गांव के किसान आत्मनिर्भर बन सकें। अब पशुपालक अपने दुधारू पशुओं से खूब धनजंजन कर रहे हैं। वही कारण है कि हर साल समितियों के प्लांट पर दूध संग्रह बढ़ रहा है। एक-एक किसान आठ जारे से 15 हजार रुपये प्रतिमाह की आपदी कर रहे हैं।

पड़ीर के पुरुषिला गांव के पशुपालक रमाशंकर बिंद बताते हैं कि वर्तमान में एक गाय और एक भैंस हैं। दूध बेचने से प्रति माह लगभग 40 से 50 रुपये की बचत हो जाती है। दूध बेचकर परिवार का पालन-पोषण आसानी से हो जाता है। इसी प्रकार टौंगा गांव के पशुपालक गुलाब बताते हैं कि घर में तीन



गाय हैं। गायों के दूध को बेचकर धनजंजन हो जाता है। दूध बेचने से प्रतिमाह 7500 रुपये के लगभग आमदानी हो जाती है। दूध के पैसे से आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। परिवार का निर्वहन करने में सुविधा हो रही है।

जनपद की लगभग 25 लाख आबादी में एक महीने में 35 हजार टन से अधिक दूध की खपत है। जबकि उत्पादन लगभग 30 हजार टन प्रतिमाह है।

जिले में पंजीकृत 98 में से 88 समितियां स्क्रिय हैं। इनके माध्यम से शास्त्री पुल रिश्त फ्लाट पर लगभग 3568 लीटर दूध प्रतिदिन पहुंचता है। हालांकि ल्याट में पांच हजार लीटर दूध संग्रह की क्षमता है। पुख्त पशु चिकित्साधिकारी डा. राजेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में 90 हजार 265 दुधारू पशुओं से 30 हजार टन दूध का उत्पादन हो रहा

दूध : बहुत से लोग उनके साथ दही मिलाकर खाते हैं। लेकिन इससे आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है। आप के साथ या तुरंत बाद दही खाने से पेट और त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। दरअसल, आप गर्भ होता है और दही ठंडा, ऐसे में इसके मिश्रण से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव होता है।

पानी : आप आप आम खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं तो ऐसा करना छोड़ दें। आपकी यह गलती आपको भारी पड़ सकती है। आप खाने के बाद पानी पीने से नुकसान हो सकता है। इससे पेट दर्द, अपच, पेट फूलना और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आम खाने के आधे घंटे तक पानी न पिएं।

कोल्ड ड्रिंक : वैसे तो कोल्ड ड्रिंक पीना

स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। लेकिन आप खाने के तुरंत बाद कोल्ड ड्रिंक पीने से सेहत बिंदु सकती है। आप और कोल्ड ड्रिंक दोनों में ही शुगर की अधिक मात्रा होती है। ऐसे में आप खाने के बाद कोल्ड ड्रिंक पीने से स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है।

करेला : वैसे तो शावट ही ऐसा कोई होगा जो आम खाने के बाद करेला खाए। लेकिन ऐसा करना आपके लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। आप खाने के तुरंत बाद करेला खाने से पेट में एसिडिटी बढ़ने लगती है। ऐसे में उल्टी मतली

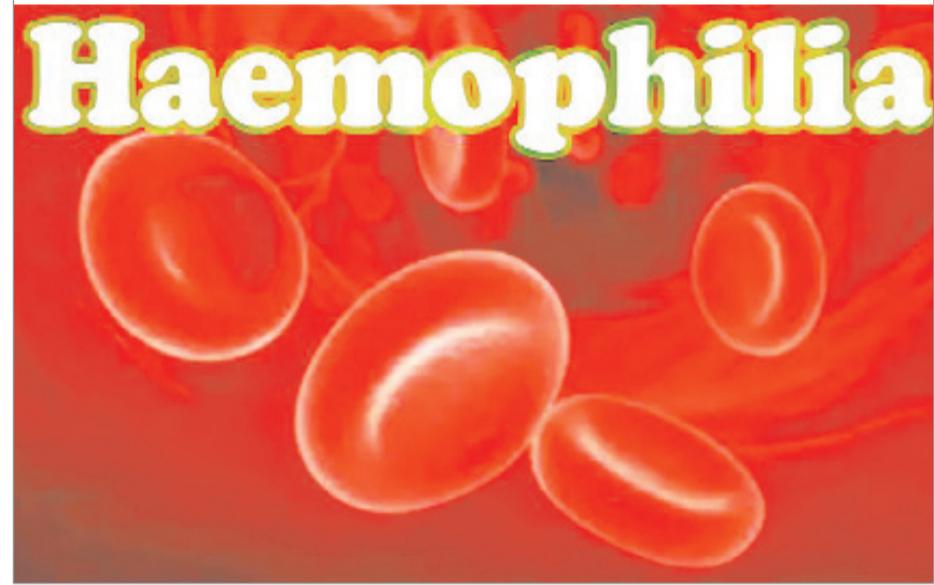


और सांस संबंधी दिक्कत पैदा हो सकती है।
मसालेदार भोजन : आप खाने के तुरंत बाद मसालेदार भोजन खाने से बचें। इससे पेट में गर्भ बढ़ जाती है, जिससे चेहरे पर एक नियंत्रण की समस्या हो सकती है।

♦ प्रिया मिश्रा

आम के साथ भूलकर भी ना खायें ये चीजें

लोग आम से कई तरह के व्यंजन तैयार करते हैं। कुछ लोगों को मैंगे शेक पसंद होता है तो कुछ मैंगे फूदस को सबवाले रहता है। इसे लोगों का राशा ऐसे ही नहीं कहा जाता है। लोग आम से कई तरह के व्यंजन तैयार करते हैं। कुछ लोगों को मैंगे शेक पसंद होता है तो कुछ मैंगे फिरनी खाना पसंद करते हैं। लेकिन आम खाने के बाद कुछ फूदस को खाने से सेहत पर दुष्प्रभाव होते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आम खाने के बाद कौन सी चीजें नहीं खाना



हीमोफीलिया के लक्षण

- सामान्य या गंभीर चोट लग जाने के बाद खून लगातार बहता रहता है।
- शरीर के अलग-अलग जाईंट्स में दर्द
- शरीर के किसी भी हिस्से में अचानक सूजन होना
- मल या पेशाब में रक्त दिखना
- शरीर में नील के निशान पड़ना
- नाक से खून आना
- कमजोरी या थकान महसूस करना

हीमोफीलिया का उपचार

हेलथ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जिन लोगों में उपरोक्त लक्षण दिखें, उन्हें एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लेनी चाहिए और उन्हें अपनी डायट का खास खाल रखने की जरूरत है। सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रोवेशन के अनुसार, हीमोफीलिया का इलाज मिसिंग ब्लड क्लार्टिंग फैक्टर को हटाकर किया जा सकता है। इसके अलावा इंजेक्शन के जरूर भी इस बीमारी का उपचार किया जाता है, जो एक मेडिकल डॉक्टरों की टीम द्वारा किया जाता है। और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अधिक होती है।

हीमोफीलिया के बचाव के लिए यह इन बातों का ध्यान

- हेलथ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यदि आपके दांत और मसुड़ों से खून निकलता है तो इसे नजरअंदाज न करें, तुरंत डेंटिस्ट के पास जाएं।
- यदि हड्डियों में चोट लगती है तो पेन किलर लेने के महले डॉक्टर से सलाह अवश्य ले लें, व्याकों इसकी बजह से भी आप चलकर हीमोफीलिया हो सकता है।
- ब्लड इफेक्शन के कारण होने वाली बीमारियों और उनके टीकाकरण के बारे में जानकारी प्राप्त करें साथ ही इसकी जांच भी करवाएं। हेपेटाइटिस ए और बी की वैक्सीन के बारे में डॉक्टर से सलाह ले।
- ब्लड-शिरिंग दवा लेने से बचें। एपिपरिन और इबुप्रोफेन जैसी ऑक्सी-द्कान्टर दवाओं को सेवन बिना डॉक्टर के परामर्श के न करें।
- अपनी डायट में विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीजें शामिल करें।
- रोजाना एक्सरसाइज और योग करें।

♦ कंघन सिंह

फूलों से जीवन की बगिया महका रहे हैं किसान

‘फूलों की खेती से आत्मनिर्भर होकर कई लोगों को मिल रहा रोजगार’



फूलों की सुगंध हर किसी को अच्छी लगती है लेकिन यही सुगंध अगर किसी के आमदानी का जरिया बन जाए तो वह जीवन में खुशियों के रंग भरने वाला लगता है। ऐसा ही माध्यम यात्रियों में फूलों की खेती के अपने खेत में पांच लोगों में बुल्दावी के बाजार में दुध व्यापक हुई है। पर्यावरण व्यक्ति को एक दिन में लगभग 300 मिलीलीटर दूध पीना चाहिए।

पांच रुपये प्रति लीटर की हुई बढ़ोत्तरी दूध संघ के प्रधान प्रबंधक राजेश सोनकर ने बताया कि पिछले वर्ष दूध 42 रुपये प्रति लीटर बढ़ गया है। वहीं खुले बाजार में दुधियों द्वारा 40 से 50 रुपये प्रति लीटर की दूध चाही है। 37 लाख रुपये पर बुगातन बकाया शास्त्री पुल रिश्त दूध संघ को आपूर्ति करने वाले दुध उत्पादक समितियों का लगभग 37 लाख रुपये भुगतान लीबंद है। पंजीकृत 98 समितियों में से 88 समितियों दूध की आपूर्ति कर रही हैं। इनसे 4200 पशुपालक जुड़े हुए हैं।

उहोंने बताया कि फूलों की खेती से परिवार में किसी को बदल गई है। सबसे अच्छी बाजारी बदल गई है। बल्कि किसी को जो रोजगार भी मुश्किली नहीं जाता है। रोज फूलों की खिक्की होने से पांच बजे आपदानी होनी शुरू हो जाती है। आपदाने से पांच बजे आपदाने का खाली चाला रहता है। उहोंने बताया कि फूलों की खेती में जब अपनी घर गृहस्थी न केवल बखूबी चाला रहे हैं तब उन्हें खाली चाला रहता है। उहोंने बताया कि खाली चाला रहता है।

सूटीफूल नवताल - 6719		*** क्रिनितम
2		4
6		1
5	8	2 3
7		6
3		8
1	6	3 7
2		5
8		4

बूटांफूल नवताल - 6718 फॉल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3</						

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap



Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट



- ❖ आसानी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्मार्टल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल विलाप

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

NEWS इन ब्रीफ

राजौरी में चल रहे ऑपरेशन में एक आतंकी मारा गया

जमू. मूक-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादी के खिलाफ एक आतंकवादी मारा गया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि जिले के दसल गुजरान इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। सूत्रों ने कहा कि तलावी अधियान के दोरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी। इसके बाद उड़े हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रात भर गोलीबारी हुई।

आतंक के नाबालिंग बेटों की हो रही काउंसलिंग

प्रयागराज। मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद के दो नाबालिंग बेटों को बिना किसी गलती के किशोर आतंक गृह में रखे हुए तीन महीने से अधिक हो गए हैं। पिता गोपनी, चाचा अब्दुल, बड़े भाई अमद की मौत के सदमे से उबरने में मदद के लिए अब दोनों बेटों की विशेषज्ञों द्वारा काउंसलिंग की जा रही है।

बंगल में भाजपा नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगल के कूचीबाहर जिले के दिनदहाड़ा में स्थानीय भाजपा नेता प्रशांत राय बसुनिया को शुक्रवार को दिनदहाड़े कानूनी गोली गई। बसुनिया अपनी मार के साथ अपने घर पर थे। तभी कुछ बदमाशों ने अंदर दूसरकर उड़े धमकाना शुरू कर दिया। कहांपुनी के बाद अचानक एक बदमाश ने पिस्टल निकाली और बसुनिया को बेहद करीब से गोली मार दी।

शिवाजी ने देश की एकता, अखंडता को सर्वोपरि रखा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली



प्रधानमंत्री विद्यों के क्रॉसिंग के जरिए आज मडगांव रेलवे स्टेशन से गोवा की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि इस ट्रेन के चलने से मुबई-गोवा मार्ग पर कोनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र के लोगों को तेज और अपरेंट होगा। ट्रेन मुंबई के छापरित शिवाजी महाराज टर्मिनस और गोवा के मडगांव स्टेशनों के बीच चलेगी। बयान में कहा गया है कि यह लगभग साढ़े सात घंटे में बात पूरी करेगी।

प्रधानमंत्री ने एक अवसर पर एक वर्चुअल संबोधन में मोदी ने कहा कि कहा कि छापरित शिवाजी ने भारत की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखा और उनके बिचारों का प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की 'ए' भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल के विजन में देखा जा सकता है। शिवाजी के राज्याधिकार के 350 वंदे वर्ष के अवसर पर एक वर्चुअल संबोधन में मोदी ने कहा कि मराठा शासक, उनके बाद शासन के लिए तेस पहुंचाने की कोंडिशन करने वालों को ठेस पहुंचाने की एकत्रित और सुरक्षा बलों के बीच रात भर गोलीबारी हुई।

प्रधानमंत्री ने कहा, किसान

कल्याण हो, महिला सशक्तिकारी

हो, शासन-प्रशासन तक सामान्य मानवी की पहुंच आसान बनाना हो, उनके अनुकूल, उनकी शासन प्रणाली और शुद्धीर होगी। शिवाजी ने उनमें भी संकेत दिया। इससे जन-जन में विश्वास पैदा हुआ, आत्मनिर्भरता की भावना का संचार हुआ और राष्ट्र का सम्मान बढ़ा। मोदी ने कहा, किसान

कल्याण हो, महिला सशक्तिकारी

परिस्थितियों की जल्दी

के लिए एक वर्चुअल संबोधन में लोगों में आत्म

सकती है। सैकड़ों वर्षों की गुलामी

और आक्रमणों ने देशविभिन्नों से संघर्ष का आत्मविश्वास छीन लिया था।

आक्रमणाकारियों के शोषण और गरिबों ने समाज को कमज़ोर बना दिया था।

मोदी ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री ने एक वर्ष के अंदर तेजी से बदल दिया।

प्रधानमंत्री